

गइदेक भिनु-भिनु डाइर

पंचपरगनिया गद संग्रह

संकलन-संपादन

प्रो. दीनबन्धु महतो

प्रकाशक

झारखण्ड झरोखा, राँची

गइदेक भिनु-भिनु डाइर

पंचपरगनिया गद संग्रह

प्रथम संस्करण : 2012

सर्वाधिकार : संपादक

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा,
दुकान न.- डी. जी. 03
न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,
रातू रोड, राँची, झारखण्ड
पिन न. 834001
मो. 09973112040, 09471160792

ISBN : 978-93-81720-17-2

अजिल्द : 100.00 रु.

सजिल्द : 150.00 रु.

आमुख

पाँच परगना केर गइद-पइद साहित आदि काल ले कहनेइ भरल पूरल आहे। गइद साहित केर रूपे लोक-कहनी, जीवनी एमाइन केर इतिहास काथा मउखिक रूपे एक पिढ़ि लेक दसर पिढ़ी तक चलते आए लाइग आहे। असने आबे हिआँ केर सांसकिरतिक रचना क्रम गिलाउ परमपरा लेक चलते आए लाइग आहे। एहे रकम चलते आवल परमपरा केर किछु हिंस के इ किताब माहान लेल जाए आहे। भक्ति कालिन काइब रचना करइआ केर जीवनी कउ इ किताब माहान जाएगा मिल आहे। रुदाड़ी आनगा माहान निदात समइए नछत्र संबंधि काथा केर बाखान करल आहे। गाँव घर माहान जिनगानी साँवराएक तेहें सिखान काथा लेक कहनी आपन जाएगा ले ले आहे। एखनुक घटित घटनाक्रम केर रूप माहान लिखल निबंध कउ लेल जाए आहे। पंचपरगनिया काइब रचना करइआ कवि आर कवयित्रि केर जीवनी केर चरचा करल जाए आहे। एक आधटा हास्य काथाउ इ किताब माहान आपन सभा बाढ़ाएक तेहें लिखल जाए आहे।

इ रकम भावे इ किताब माहान 20टा रचना आपन-आपन जाएगा माहान थिर हय कहन पढ़इआ के नावाँ संदेस देएक तेहें जाएगा ले ले आहे। मके बिसास आहे जे पढ़इआ सउब के किछु दिसा मिली आर आपन गड़े ठांडुवाएक सिख सिखे पारबं। इनकर संगे-संगे आपन चरित्र के बनाए राखे पारबं।

इ किताब माहान जाएगा पावल रचना के जगाड़ करेक समइ माहान जे लग गुला समइ देकहन मके सुनाए आहएं से लग गिला धान्यवाद केर पात्र हेकएं। इ रचना गिला किताब रूप माहान आनेक तेहें शकुंतला मिश्र के आसिरवाद दे कहन अकर खेआतिके कम करे नी चाहतिहि। रुतर केर.....

दीनबन्धु महतो

बिसए सुचि

क्र.सं.	पाठ	लेखक/संकलक	पृष्ठ सं.
1.	मातरि भासाक महत	राज किशोर सिंह	05
2.	पंचपरगनिया साहितेक मूल कथा	राज किशोर सिंह	08
3.	पंचपरगनिया भासा साहित केर विकास	दीनबन्धु महतो	11
✓4.	अचरज सिंह	दीनबन्धु महतो	16
✓5.	बिदुमनि	परमानन्द महतो	19
6.	नाराइन सिंह	दीनबन्धु महतो	22
✓7.	रामकिस्ट गांगुलि	दीनबन्धु महतो	26
8.	राजा उपेन्द्र नाथ सिंह देव	दीनबन्धु महतो	31
9.	पिरथीबिक ताप	राज किशोर सिंह	38
10.	सिब सकति	राज किशोर सिंह	40
11.	सृष्टि संबंधी काथा	दीनबन्धु महतो	45
12.	करकरी बैंग	दीनबन्धु महतो	46
13.	सिखान	दीनबन्धु महतो	51
14.	व्यास देव केर काथा	त्रिलोचन दास	56
15.	तिन संगि	दीनबन्धु महतो	60
16.	बुड़ कुड़िया	दीनबन्धु महतो	63
17.	नक्षत्र संबंधी काथा-ध्रुव	दुलाल महतो	65
18.	वनदेवता	सुभाष चन्द्र महतो	67
19.	भाँवरा खेइल	दीनबन्धु महतो	69
20.	चाँवरा भाँवरा	कृष्णा लोहरा	72

लेखक परिचय



नाम - दीनबन्धु महतो
पिता - स्व. दुलाल महतो
माता - श्रीमति सुपति देवी
पता - ग्राम+पो.-पोगड़ा, थाना-सिल्ली, राँची (झारखण्ड)
शिक्षा - मैट्रिक-1975, आई.एस.सी.-1978, बी.एस.सी.-1981, एम. ए. (पं.प.)-1988,
नेट-2007।

शिक्षण कार्य - 1. सिल्ली कॉलेज, सिल्ली -1990 से अब तक, 2. आंशिक शिक्षण कार्य -
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची वि.वि., राँची - 1993 से अब तक।

रचना - 1. मेसा कसा भाग-2 (मैट्रिक स्तर), 2. आखड़ा पत्रिका - आलेख, 3. विहान
पत्रिका - आलेख, 4. झारखंड इन साइक्लोपेडिया - आलेख (पंचपरगनिया
भाषा साहित्य), 5. अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार - Participant, 6. शब्दकोश
रचना - Participant, 7. पुस्तक रचना में खास अभिरुचि।

झारखण्ड झारोखा, राँची (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

खोरठा :- लेखक : डॉ. ए. के. झा की पुस्तकें - खोरठा सदानी व्याकरण, समाजेक सरजुइत
निसइन, छंद रस अलंकार, एक टोकी फूल, खोरठा काठे पड़देक खँड़ी, खोरठा काठे गड़देक खँड़ी,
खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन, खोरठा भाषा का इतिहास, सड़र सगरठ, घरेक बात- डॉ. राम
कुमार तिवारी।

पंचपरगनिया :- बांबरा-परमानंद महतो, दीनबन्धु महतो, गड़देक भिनु-भिनु डाइर-दीनबन्धु
महतो।

कुरमाली :- कुरमाली निबंध-डॉ. एच. एन. सिंह, बिजराज महतो, सपन आपन-अनन्त महतो
'केसरिआर', फुरुंग-केशव चन्द्र महतो 'टिडुआर', कुरमाली कृष्ण-काव्य परम्परा एवं
वैशिष्ट्य-विजय कुमार मुखर्जी, कुरमाली लोकगीत-डॉ. संतोष जैन, कुरमाली लोकगीत- एक
अध्ययन - डॉ. संतोष जैन।

PUBLISHER :-

Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market

Ratu Road, Ranchi (Jharkhand), Pin-834001

Mob. - 09973112040, 09471160792

E-mail : jharkhandjharokharanchi@rediffmail.com

ISBN : 978-93-81720-17-2

मूल्य : 100.00 रुपये मात्र



978-93-81720-17-2